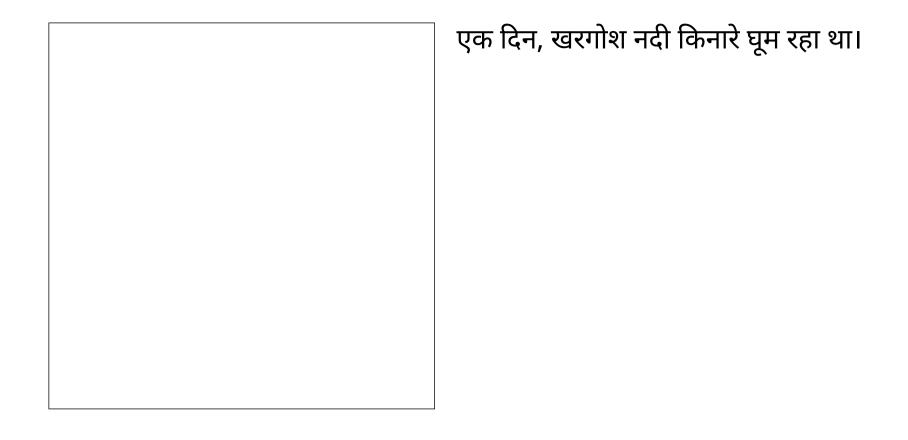
दरियाई घोड़ों के बाल क्यों नहीं होते

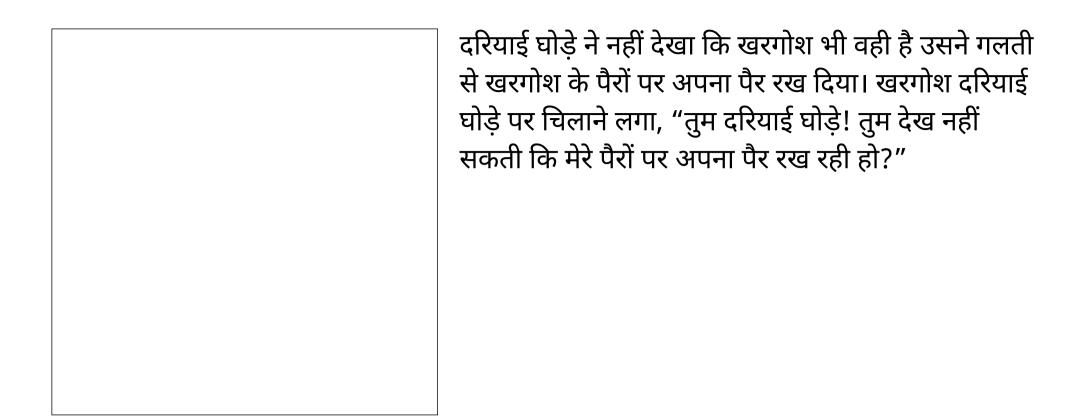
- Basilio Gimo, David Ker
- Carol Liddiment
- Nandani
- ıll nivå 2

(uten bilder)



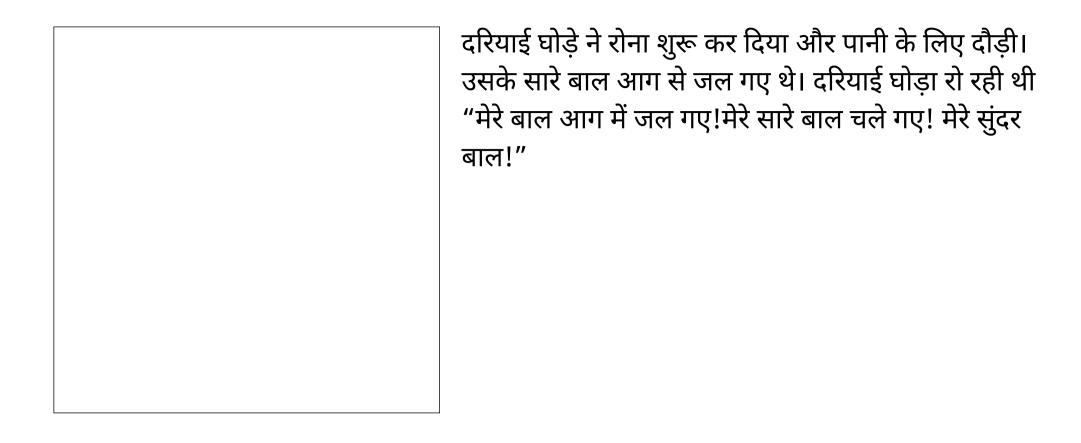


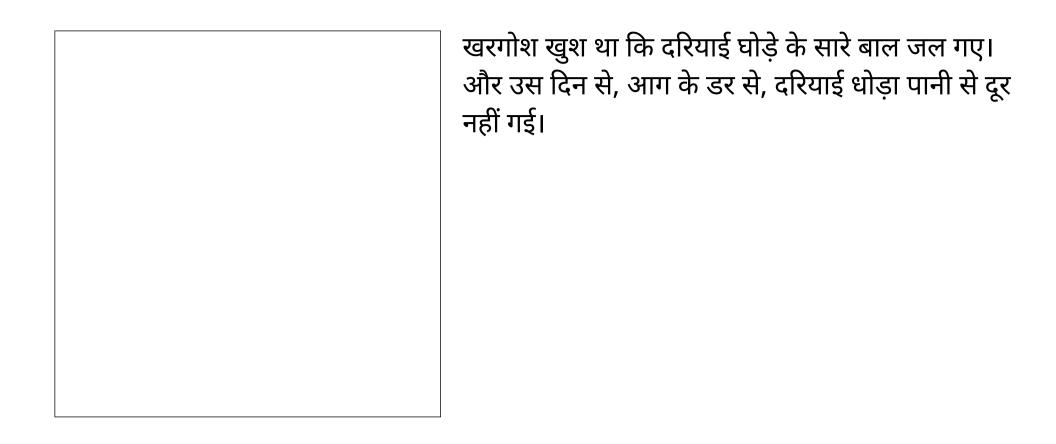
ाई घोड़ा भी वही थी, वह घूम रहा था और कुछ अच्छी खा रहा था।



दरियाई घोड़े ने खरगोश से माफ़ी मांगी, "माफ़ करना मुझे। मैंने तुमको नहीं देखा। मुझे माफ़ी दे दो!" लेकिन खरगोश ने उसकी बात नहीं सूना और वह दरियाई घोड़े पर चिलाने लगा, "तुमने जान बूझकर किया है! किसी दिन, तुम देखना! तुम्हे भुगतना पड़ेगा" खरगोश मैदान में लगी आग के पास गया और बोला "जाओ, दिरयाई घोड़े को जला दो जब वह घास खाने पानी से बाहर आएगी। उसने मुझे पैरों के कुचला!" आग ने उत्तर दिया, "कोई समस्या नहीं, खरगोश मेरे दोस्त। मैं वही करूँगा जो तुमने कहा।"

बाद में, दरियाई घोड़ा नदी से दूर घास खा रही थी तभी, "बाप रे!" आग लपटें में धधकने लगा। लपटे दरियाई घोड़े के बाल जलाने लगी।







Barnebøker for Norge

barneboker.no

दरियाई घोड़ों के बाल क्यों नहीं होते

Skrevet av: Basilio Gimo, David Ker Illustret av: Carol Liddiment Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.